सुदूर जनजातीय गाँवों में इंटरनेट (VSAT)

[स्रोत: द हिंदू]

हाल ही में जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने **झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र** के लगभग 80 आदिवासी गाँवों के लिये पायलट आधार पर **V-SAT (वेरी स्मॉल एपर्चर टर्मिनल)** स्टेशन तैनात करने के लिये [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन] के साथ सहयोग करने की योजना बनाई है।

- इस पहल का उद्देश्य भौगोलिक रूप से दूरदराज़ के आदिवासी गाँवों को इंटरनेट सेवाएँ प्रदान करना है, जो चुनौतीपूर्ण इलाके के कारण ऐतिहासिक रूप से मुश्किल रहे हैं। यह **ई-गवर्नेंस** की सुविधा प्रदान करेगा और दूरदराज़ के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार करेगा।
- इसके अलावा मंत्रालय ने **एम्स दिल्ली**, [आईआईटी दिल्ली], **आईआईएम कलकत्ता** और **आईआईएससी बेंगलुरु** जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी के प्रस्तावों पर भी चर्चा की।
    - **एम्स दिल्ली** के साथ साझेदारी में जनजातीय स्वास्थ्य मुद्दों, विशेष रूप से [सिकल सेल एनीमिया] पर उन्नत शोध करना शामिल है।
    - इसके अतिरिक्त, जनजातीय छात्रों को **अर्धचालक** पर पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिये बेंगलुरु में [भारतीय विज्ञान संस्थान] के साथ एक प्रशिक्षण सुविधा स्थापित करने की भी योजना है।

और पढ़ें: [भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/internet-in-remote-tribal-villages-vsat-